Title: Need for speedy implementation of Indo-Nepal joint river valley projects. - Laid.

श्री हरिकेवल प्रसाद (सलेमपुर) : अध्यक्ष महोदय, पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा पश्चिमी बिहार को प्रतिर्वा बाढ़ विभीाका का शिकार होना पड़ता है, जिसमें जन-धन की व्यापक क्षति होती है। इस क्षेत्र में बहने वाली अधिकांश नदियों का उद्‌गम स्थल हिमालय की तलहटी है इसलिए इनके पानी को उद्‌गम स्थान पर रोक कर ही बाढ़ की समस्या से निजात पायी जा सकती है और पर्याप्त मात्रा में विद्युत उत्पादन भी किया जा सकता है। आजादी के बाद भारत की पहली सरकार ने नेपाल सरकार से बात करके उसकी सहमति से जलकुंडी, करनाली तथा भालू बांध परियोजनाओं को प्रस्तावित किया था परन्तु लगभग पांच दशक बीत जाने के बाद भी इन पर काम शुरू नहीं हो सका, जिसका अभिशाप करोड़ों जनता को झेलना पड़ रहा है। मैं इस मान्य सदन के माध्यम से भारत सरकार से मांग करता हूं कि वह इस मामले में त वरित और सकारात्मक कदम उठाते हुए इन नदी घाटी परियोजनाओं को यथाशीघ्र पूरा करावें।